



# झारखण्ड गजट

## असाधारण अंक

### झारखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

1 अग्रहायण , 1943 (श०)

संख्या-570 राँची, सोमवार,

22 नवम्बर, 2021 (ई०)

#### उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग।

##### अधिसूचना

22 नवम्बर, 2021

संख्या-03/उ०लि०सेवा-39-02/2021-2113--भारत का संविधान के अनुच्छेद- 309 के परंतुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए झारखंड राज्यपाल एतद् द्वारा झारखंड राज्य के उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के अधीन झारखंड उत्पाद सेवा में भर्ती, प्रोन्नति एवं अन्य सेवा शर्तों को विनियमित करने के लिए झारखंड उत्पाद लिपिक संवर्ग (भर्ती एवं सेवा शर्तें) नियमावली, 2013 में संशोधन करते हुए निम्नलिखित नियमावली गठित करते हैं -

1. संक्षिप्त नाम, विस्तार एवं प्रारम्भ-

- (i) यह नियमावली "झारखंड उत्पाद लिपिक संवर्ग (भर्ती एवं सेवा शर्तें) (संशोधन) नियमावली, 2021" कही जायेगी ।
- (ii) इसका विस्तार संपूर्ण झारखंड राज्य में होगा ।
- (iii) यह नियमावली राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से प्रवृत्त होगी ।

2. झारखंड उत्पाद लिपिक संवर्ग (भर्ती एवं सेवा शर्तें) नियमावली, 2013 के नियम 8 -सीधी नियुक्ति के लिए योग्यताएं/अर्हताएं की कंडिका (i) में निम्नांकित प्रावधान है-

**"शैक्षणिक योग्यता"**- नियुक्ति हेतु उम्मीदवारों की न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता भारत के अंदर मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय अथवा संस्थान से किसी संकाय में स्नातक की उपाधि या समकक्ष योग्यता होगी ।

उत्पाद लिपिक के पद पर नियुक्ति हेतु हिन्दी टाइपिंग में 35 शब्द प्रति मिनट तथा अंग्रेजी टाइपिंग में 30 शब्द प्रति मिनट की गति तथा कम्प्यूटर चालन का ज्ञान आवश्यक होगा ।"

को निम्नवत प्रतिस्थापित किया जाता है-

**"न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता"**- अभ्यर्थियों को आयोग में आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक स्नातक अथवा समकक्ष उत्तीर्ण होना अनिवार्य होगा ।

उक्त अनिवार्य योग्यता के अतिरिक्त अभ्यर्थियों को मैट्रिक/10वीं कक्षा एवं इंटरमीडिएट/10+2 कक्षा झारखंड राज्य में अवस्थित मान्यता प्राप्त शैक्षणिक संस्थान से उत्तीर्ण होना अनिवार्य होगा तथा अभ्यर्थी को स्थानीय रीति-रिवाज, भाषा एवं परिवेश का ज्ञान होना अनिवार्य होगा ।

परंतु यह कि झारखंड राज्य की आरक्षण नीति से आच्छादित अभ्यर्थियों के मामले में झारखंड राज्य में अवस्थित मान्यता प्राप्त शैक्षणिक संस्थान से मैट्रिक/10वीं कक्षा तथा इंटरमीडिएट/10+2 कक्षा उत्तीर्ण होने संबंधी प्रावधान शिथिल रहेगा ।

परंतु अनुकम्पा नियुक्ति एवं सीमित प्रतियोगिता परीक्षा के आधार पर नियुक्ति के मामले में झारखंड राज्य में अवस्थित शैक्षणिक संस्थान से उत्तीर्ण होने की अनिवार्यता शिथिल रहेगी।

उत्पाद लिपिक के पद पर नियुक्ति हेतु हिन्दी टाइपिंग में 25 शब्द प्रति मिनट तथा अंग्रेजी टाइपिंग में 30 शब्द प्रति मिनट की गति तथा कम्प्यूटर चालन का ज्ञान आवश्यक होगा। टाइपिंग में अधिकतम 2 प्रतिशत अशुद्धि सहित अनिवार्य अर्हता होगी ।"

3. झारखंड उत्पाद लिपिक संवर्ग (भर्ती एवं सेवा शर्तें) नियमावली, 2013 के नियम 10- आयोग द्वारा अभ्यर्थियों की अनुशंसा की कंडिका (i) में निम्नांकित प्रावधान है-

"सीधी भर्ती द्वारा भरे जाने वाले रिक्तियों की आरक्षणवार अध्यायना प्राप्त होने पर आयोग ऐसी रीति से जैसा वह उचित समझेगा, विज्ञापन प्रकाशित कर पात्र अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित कर लिखित प्रतियोगिता परीक्षा का तथा हिन्दी एवं अंग्रेजी टंकण की दक्षता तथा कम्प्यूटर अनुप्रयोग की दक्षता का संचालन करायेगा। प्रतियोगिता परीक्षा का स्वरूप, पाठ्यक्रम, अधिकतम अंक एवं प्रक्रिया आयोग द्वारा विनिश्चित की जायेगी ।",

को निम्नवत प्रतिस्थापित किया जाता है -

- (क) "सीधी भर्ती द्वारा भरे जाने वाले रिक्तियों की आरक्षणवार अध्यायना प्राप्त होने पर आयोग "झारखंड कर्मचारी चयन आयोग परीक्षा (स्नातक स्तर) संचालन (संशोधन) नियमावली, 2021" के अंतर्गत विज्ञापन प्रकाशित कर पात्र अभ्यर्थियों से आवेदन आमंत्रित कर लिखित प्रतियोगिता परीक्षा का तथा हिन्दी एवं अंग्रेजी टंकण की दक्षता तथा कम्प्यूटर अनुप्रयोग की दक्षता का संचालन करायेगा ।
- (ख) कम्प्यूटर ज्ञान एवं कम्प्यूटर पर हिन्दी एवं अंग्रेजी टंकण से संबंधित परीक्षा झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा ली जायेगी ।"
4. झारखंड उत्पाद लिपिक संवर्ग (भर्ती एवं सेवा शर्तें) नियमावली, 2013 के नियम 20-

**वार्षिक वेतन वृद्धि** - इस संवर्ग के कर्मियों को सरकारी सेवक हिन्दी परीक्षा नियमावली, 1968 के अंतर्गत हिन्दी टिप्पण एवं प्रारूपण परीक्षा में उत्तीर्ण होने के बाद प्रथम वार्षिक वेतन वृद्धि एवं केन्द्रीय परीक्षा समिति द्वारा संचालित जनजातीय भाषा की परीक्षा में निम्न स्तर से उत्तीर्ण होने के बाद ही द्वितीय वेतन वृद्धि देय होगी ।

को निम्नवत प्रतिस्थापित किया जाता है -

“**वार्षिक वेतन वृद्धि** - इस सेवा के कर्मियों को सरकारी सेवक हिन्दी परीक्षा नियमावली, 1968 के अंतर्गत हिन्दी टिप्पण एवं प्रारूपण परीक्षा में उत्तीर्ण होने के बाद प्रथम वार्षिक वेतन वृद्धि तथा केन्द्रीय परीक्षा समिति द्वारा संचालित जनजातीय भाषा की परीक्षा में निम्न स्तर से उत्तीर्ण होने के उपरांत द्वितीय वेतन वृद्धि देय होगी। परीक्षा में अनुत्तीर्ण रहने पर असंचयात्मक प्रभाव से वेतन वृद्धि अवरूद्ध रहेगी तथा परीक्षा में उत्तीर्ण हो जाने पर अनुमान्य वेतन वृद्धि देय होगी, परंतु बकाया वेतन देय नहीं होगा ।

5. विभागीय अधिसूचना संख्या 1223 दिनांक 08.06.2013 की शेष कंडिकाएं यथावत रहेंगी ।

झारखंड राज्यपाल के आदेश से,

**विनय कुमार चौबे,**  
सरकार के सचिव ।

-----